अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

विषय - प्राथमिक चिकित्सा उपचार

संकाय - आयुर्वेद

(नियम,परीक्षा, योजना,अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

पाठ्यचर्या

परिचय–

भारत की दो तिहाई जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है तथा उचित स्वास्थ्य उपचार उनकी पहुंच से दूर है। वर्ष 1978 के आलमा अटा (Alma Ata) घोषणा में स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया गया था तथा कहा गया था कि स्वास्थ्य के यथासंभव उच्चतम स्तर को प्राप्त करना विश्वभर में सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य है, जिसे प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों के क्रियाशील होने की आवश्यकता है। सभी के लिए स्वास्थ्य राष्ट्रीय लक्ष्य, तथा प्राथमिकता का विषय है। आज सामुदायिक कार्यकर्ता योजना के अंतर्गत परिवार कल्याण सहित साधारण, निवारात्मक तथा उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए. स्वयं समाज में से ही चुने गए व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को उपलब्ध कराने की अत्यंत आवश्यकता है। वर्ष 1977 में श्रीवास्तव समिति की सिफारिशों पर सरकार ने 5,80,000 स्वास्थ्य रक्षकों की नियुक्ति के लिए जन स्वास्थ्य रक्षक (Community Health Worker) योजना आरम्भ की थी। वर्ष 1980 में इस जन स्वास्थ्य रक्षक योजना (1977) का नाम बदल कर जन स्वास्थ्य स्वयंसेवक योजना कर दिया गया था, जिसका पुनः नाम परिवर्तित करके वर्ष 1981 में ग्रामीण स्वास्थ्य गाइड कर दिया गया था। किन्तु जनसंख्या में तीव्र वृद्धि, गरीबी, निरक्षरता तथा अन्य अनेक कारणों से 'सबके लिए स्वास्थ्य' का राष्ट्रीय लक्ष्य अपने लक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया। गांवों में ही नहीं बल्कि शहरों में भी ऐसे अनेक क्षेत्र है, जहाँ –

- पूर्णतः विकसित चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।
- जनसंख्या घनत्व के अनुसार पर्याप्त संख्या में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं।
- रात के समय आपातकालीन स्थिति में कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है यहां तक कि ऐसा कोई व्यक्ति भी नहीं है जो ऐसी स्थिति में पीड़ित का मार्गदर्शन कर सके और प्राथमिक उपचार देकर पीड़ित को शहरी अस्पताल के लिए रैफर कर सके।
- ऐसा कोई व्यक्ति उपलब्ध नहीं है जो जन--साधारण को परिवार कल्याण, रोगों की रोकथाम, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता, स्वस्थ पर्यावरण तथा एड्स आदि के संबंध में मार्गदर्शन कर सके।

उद्देश्य :

इस कार्यक्रम के पूर्ण होने के पश्चात स्वास्थ्य कार्यकर्ताः

- मानव शरीर विज्ञान तथा क्रिया विज्ञान का आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर सकेगा;
- स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण पर प्रकाश डाल सकेगा;

5-3-21 5-3-21

Scanned with CamScanner

- संक्रामक, असंक्रामक एवं जीवन शैली संबंधित रोगों सहित आपातकालीन स्थिति में किए जाने वाले उपायों तथा रोगों की रोकथाम का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेगा।
- प्राथमिक उपचार, औषधि विज्ञान तथा दवाओं के दुष्प्रभावों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों, अस्पतालों, नर्सिंग होमों तथा स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में जन समुदाय को उपयुक्त देखरेख/सेवा उपलब्ध करा सकेगा।
- परिवार नियोजन तथा टीकाकरण सहित मातृत्व व बाल स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन में सक्षम होगा और स्वास्थ्य जागरूकता, स्वस्थ पर्यावरण, स्वास्थ्य और आपातकालीन स्थितियों में उपयुक्त प्राथमिक उपचार प्रदान कर सकेगा।

प्रवेश योग्यता : 10+2 कक्षा पास।

रोजगार के अवसरः आशा है कि यह कार्यक्रम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा उन्हें तैयार करने में सक्षम होगा। ये प्रशिक्षित लोग समुदाय में स्वास्थ्य रक्षक के रूप में कार्य कर सकेंगे तथा स्वास्थ्य जागरूकता, स्वस्थ पर्यावरण, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य विज्ञान और आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार व उपयुक्त चिकित्सा उपलब्ध करा सकेंगे।

इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात कार्यकर्ता को विभिन्न अस्पतालों, नर्सिंगहोम तथा स्वास्थ्य केन्द्र आदि में कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे।

पाठ्यक्रम अवधि : 1 वर्ष

अध्ययन योजना :

सिद्धांत	प्रयोग/प्रशिक्षण
40%	60%

कार्यक्रम	अवधि	अनिवार्य संपर्क घंटे	कुल अध्ययन अवधि
प्राथमिक चिकित्सा उपचार डिप्लोमा कोर्स	एक वर्ष	सैद्धांतिक अनुदेशों/प्रस्तुतिकरण सहित प्रैक्टिकल के लिए अनिवार्य संपर्क घंटे	400 घंटे

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या

विषय –1 आधारभूत जीव विज्ञान

विषय – 2 मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य देखभाल
(परिवार कल्याण एवं टीकाकरण)

विषय –3 रोगों व आपातकालीन स्थितियों में निवारण एवं प्रबंधन

5-3-21 5-3-21 5/3/21

Scanned with CamScanner

भाग–1 विस्तृत पाठ्यचर्या

विषय–1 आधारभूत जीव विज्ञान

पाठः1 शरीर विज्ञान एवं क्रिया विज्ञान

- शरीर विज्ञान और क्रिया विज्ञान
- कोशिका
- ऊतक
- अंग
- मानव शरीर की संरचना
- तंत्रों/संस्थानों का संक्षिप्त परिचयः
    1. अध्यावरणी तंत्र
    2. कंकाल तंत्र
    3. पेशीय तंत्र
    4. श्वसन तंत्र
    5. पाचन तंत्र
    6. परिसंचरण तंत्र
    7. उत्सर्जन तंत्र
    8. अंतः स्रावी तंत्र
    9. जनन तंत्र
    10. तंत्रिका तंत्र

पाठः 2 हमारा शरीर और प्रतिरक्षा प्रणाली

- प्रतिरक्षा प्रणाली
- प्रतिरक्षा के प्रकार
- प्राकृतिक प्रतिरक्षा
- उपार्जित प्रतिरक्षा

पाठः 3 स्वास्थ्य और स्वच्छता

- स्वास्थ्य की संकल्पना
- स्वास्थ्य की परिभाषा और अच्छे स्वास्थ्य के लक्षण
- स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक जैसे–

Scanned with CamScanner

व्यक्तिगत स्वच्छता, व्यायाम, नींद व विश्राम आदि।

- साफ–सफाई तथा स्वच्छता।
- दिनचर्या, ऋतुचर्या, आचाररसायन।
- नशामुक्ति (व्यसन–दारू/तम्बाकु आदि)

पाठः 4 सामान्य रोगों का निवारण तथा घरेलू उपचार

- सामान्य रोगों से बचाव
- सामान्य रोगों के घरेलू उपचार
- बाल अवस्था में होने वाली बीमारियां और घरेलू उपचार

पाठः 5 पोषण

- हमारा भोजन
- भोजन के कार्य
- पोषण तथा पोषक तत्व
  - कार्बोहाइड्रेट
  - प्रोटीन
  - वसा
  - विटामिन
  - खनिज
  - जल
- भोजन समूह
- संतुलित आहार
- पोषण संबंधी आवश्यकता
  विभिन्न आयु वर्गों के लिए पोषण संबंधी आवश्यकताएं
- पोषण संबंधी विकार और कुपोषण
  - प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण
    खाद्य चार्ट
  - अरक्तता
  - आहारीय प्रबंधन आदि

पाठः 6 योग और स्वास्थ्य

- योग का परिचय
- अष्टांग योग
- योगासन और प्रारम्भिक अभ्यास
- कुछ महत्वपूर्ण आसन और अभ्यास

5-3-21

5-3-21

5/3/21

Scanned with CamScanner

पाठः 7 योग द्वारा सामान्य रोगों का प्रबंधन

- योग और जीवन
- योग चिकित्सा के सिद्धांत
- योग के चिकित्सीय पहलू
  - श्वसन विकारों में यौगिक प्रबंधन
  - पाचन विकारों के यौगिक प्रबंधन
  - रक्तचाप एवं हृदय संबंधी रोगों में यौगिक प्रबंधन
  - पीठ दर्द में यौगिक प्रबंधन
  - सर्वाइकल–स्पॉन्डिलाइटिस में यौगिक प्रबंधन
  - गठिया और वात में यौगिक प्रबंधन
  - मधुमेह में यौगिक प्रबंधन
  - चिंता और अवसाद में यौगिक प्रबंधन

5-3-21

5/3/21

5-3-21

Scanned with CamScanner

भाग – 2

विषयः 2 मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य की देखभाल

पाठः 1 गर्भावस्था और गर्भावस्था में महिला की देखरेख

- यौवनारंभ, मासिक चक्र
- गर्भावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक क्रियात्मक परिवर्तन, प्रसव की अनुमानित तिथि की गणना।
- गर्भावस्था के संकेत और लक्षण
- गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिला की परिचर्या
- गर्भवती महिला के विभिन्न परीक्षण
- गर्भावस्था में जोखिम का आंकलन
- गर्भवती महिला की देखरेख

पाठ 2 प्रसवकालीन तथा प्रसवोत्तर अवधि के दौरान महिला की देखरेख

- प्रसव एक परिचय, वास्तविक प्रसव पीड़ा के लक्षण
- प्रसव कक्ष में महिला का आंकलन
- प्रसव के दौरान मों तथा शिशु की स्थिति का आकलन
- प्रसव के लिए तैयार करना
- प्रसूति की तैयारी, प्रसव का तीसरा चरण
- नवजात शिशु की तत्काल देखरेख, स्तनपान
- माँ की प्रसवोत्तर देखरेख

पाठ 3 स्तनपान

- प्रसवोपरांत प्रारंभिक दूध
- स्तनपान के लाभ तथा बोतल के दूध के खतरे
- प्रतिकूल परिस्थितियों में स्तनपान संबंधी निर्देश
- शिशु को स्तनपान कराने की सही तकनीकें
- स्तनपान संबंधी आम समस्याएं एवं उनका निवारण

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

पाठः 4 राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम
- गैर–संचारणीय रोगों की रोकथाम और नियंत्रण
- संशोधित राष्ट्रीय टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम
- सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम
- प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय आयोडीन अल्प विकार नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय बधिरता निवारण व नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम
- स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

पाठः 5 परिवार कल्याण कार्यक्रम

- परिवार कल्याण कार्यक्रमों का महत्व
- सर्वव्यापी प्रतिरक्षण कार्यक्रम
- परिवार कल्याण कार्यक्रम की आवश्यकता
- परिवार नियोजन
- अस्थायी उपाय, अवरोधी उपाय, रासायनिक अवरोध, मिश्रित अवरोध, अन्तगर्भाशयी उपकरण, हार्मोन युक्त औषधियां
- स्थायी उपाय, पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी
- अस्थाई पद्धति, पुरुष काण्डोम, महिला काण्डोम, डायाफ्राम, यौनांग स्पंज, आई.यू.डी.
- खाने वाली गर्भनिरोधक गोलियां, मिश्रित गोलियां
- उपत्वचीय प्रत्यारोपण, हार्मोनल यौनांग रिंग सेन्टक्रोमन
- स्थाई पद्धति (नसबंदी), पुरुष व महिला नसबंदी
- पोस्ट क्वाइटल गर्भ निरोधक
- कैफेटेरिया एप्रोच

5-3-21

Scanned with CamScanner

- दो बच्चों के जन्म के बीच में अंतराल
- चिकित्सीय गर्भपात

पाठ 6 स्वास्थ्य कार्यकर्ता के दायित्व

- स्वास्थ्य कार्यकर्ता के कार्य व दायित्व
- क्षेत्र का मानचित्र बनाना, घरों का सर्वेक्षण निवारक दायित्व, उपचारात्मक दायित्व
- हाइपोथर्मिया से बचाव, कंगारू के । बच्चे को नहलाना व साफ करना।
- स्तन्य आहार बच्चे का पोषण (6–7 महीने) (12–18 महीने) (18 महीने – 2वर्ष)
- शिशु का सामान्य विकास जन्म के समय भार, प्रत्येक महीने बच्चे का भार मापना, निप्पल की देखरेख, क्रैक युक्त निप्पल की देखरेख।
- स्तन्य आहार के दौरान बच्चे की स्थान स्थिति तथा पेट से हवा निकालना।

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

भाग–3

विषय – 3 (रोगों एवं आपात स्थितियों का निवारण व प्रबंधन)

पाठः 1 संक्रामक रोग– 1

- परिभाषा, फैलाने के माध्यम, परपोषी (Host) एजेंट, पर्यावरण
- संक्रमणों का फैलना, जल से, वायु से. भोजन से, वेक्टर द्वारा होने वाले संपर्क रोग तथा परजीवी
- संक्रमण

पाठः 2 संक्रामक रोग – 2

- परजीवी जन्य बीमारियाँ – डेंगू, मलेरिया
- कुष्ठरोग
- तपेदिक
- डिप्थीरिया
- निमोनिया
- भोजन विषाक्तता
- यौनसंक्रमण
- सिफलिस (सुजाक)
- गोनोरिया
- एड्स
- कुछ परजीवी संक्रमण

पाठः 3 रोकथाम के उपाय (सभी 5 चरण)

- विशिष्ट संरक्षण
- पुनर्वासन
- प्राथमिक निवारण
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य विज्ञान
- संगरोध उपाय
- सूचनीय रोग

5-3-21

5/3/21

5-3-21

Scanned with CamScanner

- आर्गेनिज्म, लक्षणों तथा निवारक उपायों की तालिका

पाठ 4 प्राथमिक उपचार

- रक्तचाप, तापमान, ऊँचाई तथा भार मापन की परिभाषा
- धमनी एवं शिरा रक्तस्राव की पहचान
- लम्बाई व भार मापन
- नाक से खून बहना
- संकुचन बैंडेज
- आन्तरिक रक्तस्राव – संकेत. लक्षण तथा आपातकालीन उपाय
- सदमा (Shock) – पहचान व आपातकालीन उपाय, विद्युत झटका, आपात स्थिति
- एसफिक्सिया (Ashphyxia)– प्रकार, संकेत एवं लक्षण, आपातकालीन उपाय।

पाठः 5 जीवन शैली संबंधित रोग

- उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, कैंसर आदि।

पाठः 6 औषधि विज्ञान एवं औषधि प्रतिक्रिया

- औषधि प्रतिक्रिया के कारण उत्पन्न आपात स्थिति का प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार।

पाठः 7 आपातकालीन स्थिति का प्रबंधन

- प्रबंधन एवं डूबने की आपातकालीन स्थिति में बचाव के उपाय तथा कृत्रिम श्वसन।
- बेहोशी में बचाव का प्रबंधन।
- कुत्ते के काटने. सांप के काटने, कीट के काटने के दौरान आपातकालीन स्थिति का प्रबंधन व प्राथमिक उपचार।
- जले की स्थिति में आपातकालीन उपाय, जले हुए व्यक्ति का बचाव तथा जल चिकित्सा, हड्डी टूटना तथा ऐसे रोगी का स्थानान्तरण।
- पक्षाघात (लकवा) के रोगी की देखरेख।
- अधिक रोगी के आपातकालीन उपाय।

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

- हाइपर–पैराक्सिया पर नियंत्रण, ऊष्माघात (लू लगना) पर नियंत्रण।
- वायु नलिका में बाहरी तत्व, घावों पर पट्टी लगाना। त्रिकोणीय बैंडेज तथा रोलर बैंडेज का प्रयोग, कान से रक्त बहना व दर्द, औषधियों का वितरण। (विशेष रूप से आयन्टमेंट, नाक की दवा, आँखों की ड्रॉप, इन्सुलिन इंजेक्शनों को लगाने के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान)।
- उदरीय पीड़ा की आपातकालीन स्थिति व इसका प्राथमिक उपचार।

5-3-21

5-3-21

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन योजना

विषय	सैद्धान्तिक			प्रायोगिक / प्रशिक्षण			कुल अंक
	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	बाह्य		आन्तरिक मूल्यांकन	
	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक	समय (घंटे)	अधिकतम अंक	अधिकतम अंक
आधारभूत जीव विज्ञान	70	3	30	100	4	20	200
मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य की देखभाल	70	3	30	100	4	20	200
रोगों एवं आपातकालीन स्थिति में निवारण व प्रबंधन	70	3	30	100	4	20	200

उत्तीर्णता मापदण्ड

क्र.सं.	कौशल परीक्षा का विषय	सिद्धान्त में अधिकतम अंक	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम प्रतिशत	उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक
1.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित <u>सिद्धांत</u> (आन्तरिक मूल्यांकन 30)	(70+30) X 3 = 300 (लिखित परीक्षा – 300)	40%	120
2.	आन्तरिक मूल्यांकन सहित <u>प्रायोगिक</u> (आन्तरिक मूल्यांकन 60)	(100) X 3 = 300 (प्रयोग परीक्षा – 300)	40%	120

नोटः–

- सिद्धांत पक्ष में प्रशिक्षार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन सहित सिद्धांत में कुल 40% अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्रायोगिक परीक्षा में प्रशिक्षार्थी को आंतरिक मूल्यांकन सहित कुल 40% अंक प्राप्त करने होंगे।

आन्तरिक सतत मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया
सिद्धांत (Theory)

प्रत्येक 45 दिनों के पश्चात 10 अंक की तीन परीक्षाएं होगी। कुल अंक = 30

प्रायोगिक / प्रशिक्षण (आन्तरिक मूल्यांकन) प्रत्येक प्रशिक्षार्थी का प्रगति कार्ड बनाकर मूल्यांकन किया जाएगा,
जिसमें प्रयोग / एक्सपेरिमेंट का मूल्यांकन दर्शाया जाएगा। कुल अंक = 60

5-3-21 5-3-21